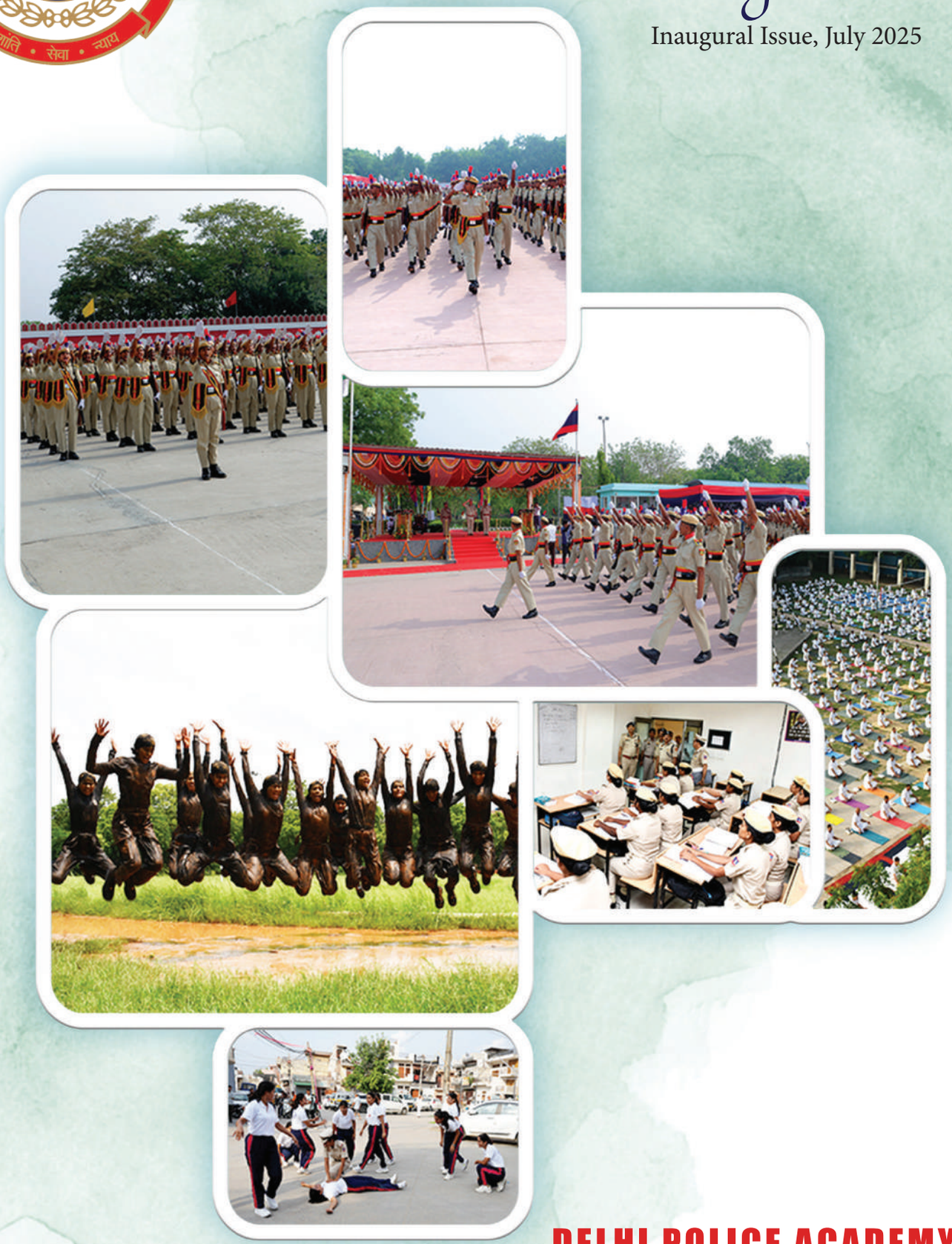
# बढ़ते कदम...

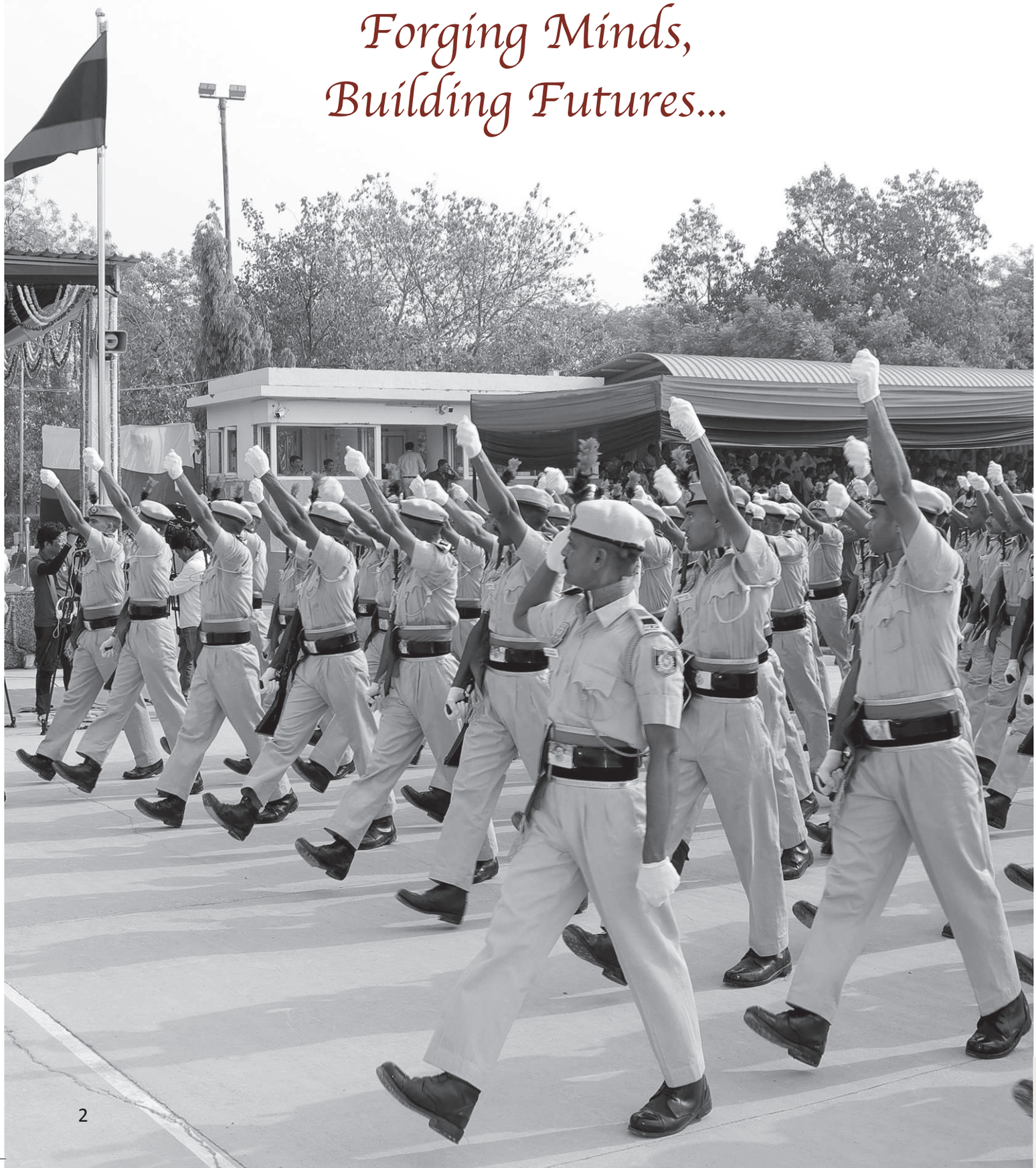
# *Marching Ahead*

Inaugural Issue, July 2025



**DELHI POLICE ACADEMY**

# *Forging Minds, Building Futures...*





# श्री संजय अरोड़ा, भा.पु.से.
# पुलिस आयुक्त, दिल्ली
# का संदेश

हमारी राजधानी, अपने जीवंत और विविधता पूर्ण स्वरूप के साथ, हर दिन पुलिस के लिए अनूठी चुनौतियाँ पेश करती है। हमारे महानगर में विभिन्न जातियों, वर्गों, राजनीतिक दलों और मीडिया का एक जटिल ताना–बाना सह–अस्तित्व में है। इसके बावजूद इन विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करने और उन्हें सफलतापूर्वक हल करने में दिल्ली पुलिस के अटूट संकल्प और असाधारण क्षमता को देखना मेरे लिए अत्यंत संतोषजनक रहा है।

हमारी इस क्षमता का मूल आधार दिल्ली पुलिस अकादमी के द्वारा दिया जा रहा उत्कृष्ट प्रशिक्षण है। दिल्ली पुलिस अकादमी, हमारे अधिकारियों और कर्मियों को उनकी पेशेवर यात्रा के विभिन्न चरणों में प्रशिक्षित करने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। यहाँ नव–नियुक्त सिपाहियों, उप–निरीक्षकों से लेकर DANIPS प्रोबेशनर तक, सभी पद के कर्मियों को उनकी भूमिकाओं के लिए तैयार किया जाता है। यह स्पष्ट है कि पुलिस व्यवस्था के बदलते स्वरूप के साथ, दिल्ली पुलिस अकादमी ने खुद को लगातार विकसित किया है। अकादमी ने नए आपराधिक कानूनों पर संदर्भ पुस्तकों का विकास किया है, जो हमारे पुलिस कर्मियों को इन महत्वपूर्ण परिवर्तनों को समझने और प्रभावी ढंग से लागू करने में सहायता कर रही हैं। यह अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए भी एक मील का पत्थर साबित हुई है। इसने अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आधुनिक तकनीकों और कौशल को शामिल किया है जिससे प्रशिक्षुओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए प्रभावी ढंग से तैयार किया जा सके। "मिशन कर्मयोगी" पहल के तहत, दिल्ली पुलिस अकादमी ने लगभग 37,000 पुलिस कर्मियों को मृदु कौशल (soft skills) और संवेदनशीलता में प्रशिक्षित किया है। पिछले वर्ष, अकादमी ने 10,381 प्रशिक्षुओं को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित कर, एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जो इस अकादमी की असाधारण क्षमता का एक प्रमाण है। इसी श्रृंखला में, iGOT Karmayogi प्लेटफॉर्म के लिए अकादमी द्वारा तैयार किये गये ऑनलाइन ट्यूटोरियल वीडियो भी सराहनीय हैं।

मुझे अकादमी के न्यूजलेटर कदमताल के पहले संस्करण का उद्घाटन करने का अवसर मिला था। अब यह न्यूजलेटर एक नए और परिष्कृत रूप में "बढ़ते कदम... *Marching Ahead*" के नाम से प्रकाशित हो रहा है। अपने प्रथम संस्करण के रूप में, यह प्रकाशन अकादमी की गतिविधियों और प्रशिक्षुओं के अनुभवों की और भी व्यापक और विविध जानकारी दे रहा है, जो हमारे प्रशिक्षण के तरीकों में हो रहे निरंतर विकास को भी दर्शाता है। यह नया न्यूजलेटर न केवल अकादमी की गतिविधियों का एक दस्तावेज है, बल्कि दिल्ली पुलिस के लिए एक मूल्यवान संसाधन भी है।

मुझे पूरा विश्वास है, कि दिल्ली पुलिस, इस अकादमी द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण से अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत करती रहेगी। विशेष पुलिस आयुक्त, प्रशिक्षण, श्री संजय कुमार, के नियमित संवाद से अकादमी में चल रहे कार्यों और उपलब्धियों के बारे में मिलने वाली जानकारी से मुझे पूर्ण विश्वास है, कि अकादमी की यह प्रगति जारी रहेगी। मैं बढ़ते कदम... *Marching Ahead* को उसकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए और दिल्ली पुलिस के सभी सदस्यों को उनके भविष्य के सभी प्रयासों के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

जय हिन्द!



# श्री संजय कुमार, भा.पु.से. विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) का संदेश

"बढ़ते कदम... *Marching Ahead"* नामक हमारी नई पत्रिका के इस प्रथम संस्करण को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है।

दिल्ली पुलिस अकादमी हमारे प्रशिक्षण संचालन का केंद्र बिंदु है। हमारा अधिदेश स्पष्ट है: नए प्रशिक्षुओं को सक्षम, आत्मविश्वास से परिपूर्ण और समुदाय–केंद्रित पुलिस कर्मियों में रूपांतरित करना। अकादमी अपने सेवारत कर्मियों के लिए भी निरंतर कौशल संवर्धन कार्यक्रम संचालित करती है। यह प्रतिबद्धता अकादमी के सुदृढ़ अवसंरचना में दर्शित होती है, जिसमें आधुनिक कक्षाएँ, विशिष्ट प्रयोगशालाएँ, समर्पित कार्यशालाएँ और उन्नत अनुकरण केंद्र शामिल हैं, और ये सभी गहन शिक्षण को सहायता प्रदान करते हैं।

दिल्ली पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में व्यावहारिक अनुप्रयोग पर विशेष बल दिया जाता है। सैद्धांतिक ज्ञान को तत्काल सुदृढ़ करने हेतु, व्यावहारिक अभ्यासों और वास्तविक जगत के केस अध्ययनों को प्राथमिकता दी जाती है। सतत कौशल विकास सुनिश्चित करने व प्रगति का अनुश्रवण करने हेतु नियमित मूल्यांकन किया जाता है। बदलती ज़रूरतों के अनुसार हमारे कार्यक्रम निरंतर विकसित किए जाते हैं।

मुख्य रूप से, हमारी अकादमी की शक्ति इसके अनुभवी फैकल्टी और विषय–वस्तु विशेषज्ञों से युक्त प्रशिक्षण टीम में निहित है। वे प्रशिक्षण वातावरण में व्यापक ज्ञान और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि लाते हैं, जो दिल्ली पुलिस की अगली पीढ़ी को बदलते समय की जरूरतों के अनुसार तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमारे उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अनुशासन और समयनिष्ठा जैसे मूल्यों का पालन आवश्यक है। अनुशासन हमारे संगठन की रीढ़ है, और समयनिष्ठा व्यावसायिकता की पहचान है। इन मूल्यों को जीने से हम अपने प्रशिक्षुओं के लिए एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत कर, उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और भी सुदृढ़ करते हैं।

अकादमी ने हाल ही में कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए हैं। अकादमी हजारों नए भर्ती प्रशिक्षुओं और सेवारत कर्मियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित करती रही है, जिससे हमारे पुलिस कर्मियों की परिचालन क्षमताएँ और बेहतर हुई हैं। अकादमी स्टाफ द्वारा विकसित की गई ऑनलाइन ट्यूटोरियल विडियोज इसकी प्रगति का एक विशेष पड़ाव हैं। पुलिसिंग के विभिन्न विषयों को समाहित करने वाले ये ऑनलाइन संसाधन अब iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। अकादमी के लिए मेरा दृष्टिकोण यही रहेगा कि यह एक प्रमुख पुलिस प्रशिक्षण संस्थान के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखे। पुलिस आयुक्त महोदय के निर्देषों के अनुरूप इस दृष्टिकोण का उद्देश्य सभी के लिए एक सुरक्षित दिल्ली सुनिश्चित करना है।

"बढ़ते कदम... *Marching Ahead*" के साथ इस नवीन अध्याय को मैं दिल्ली पुलिस में उत्कृष्टता के लिए हमारी सामूहिक खोज की एक पुनर्नवीनीकृत शुरुआत के रूप में देख रहा हूँ।

जय हिन्द!



## Message from the Desk of
## Sh. Asif Mohd. Ali, IPS
## Joint Director, DPA

Dear Colleagues,

The Inaugural Issue of "बढ़ते कदम... *Marching Ahead*" is very timely indeed as we have just celebrated the first anniversary of implementation of New Criminal Laws. Needless to say that the New Criminal Laws envisage a robust police machinery with highly skilled workforce. In furtherance of this, the Capacity Building Program of all police officers under Mission Karmayogi through iGOT platform has added another dimension of police training.

There is a need for standardized mechanisms for institutional memory and standardization of processes involved in identification of goals and mapping of targets with regard to the overall training in various domains. I am happy to share that Delhi Police Academy has shown its commitment in taking such initiatives for better realization of goals in the recent past. A mapping exercise of core competency skills of trainers and identifiction of specific courses for re-skilling and up-skilling has been taken at multiple levels in the right earnest. Standardization of Standing Orders issued by Commissioner of Police, Delhi has largely been accomplished. The creation of course content both offline and digital and its upgradation is a dynamic process and an ongoing one in the light of unfolding challenges on the ground. Delhi Police Academy will have to channelize best resources for such identified tasks.

The recent initiative approved by Commissioner of Police, Delhi of training of Graduate Constables is the first step in role competency based model of training. Our basic induction training and refresher courses round the year in various domains will have to fall in line so that competencies and skills are adequately developed.

Delhi Police Academy should endeavour to update itself with the latest technological changes and statutory / legal directives to remain ahead of the curve.

Delhi Police Academy must strive for a continuous improvement through a defined road map and, therefore, trainers will have to rise to the challenges as we go along.

I am sure the contributions in future shall continue to be relevant and contemporary to improve the efficacy of policing at large.

I extend my best wishes.



## From the Desk of the Editor

Dear Readers,

It is with great pride and purpose that we present the 1st edition of our rebranded share with you that this new publication, previously known as “Kadam Taal”, has undergone a transformation, not just in name, but also in spirit. The new name, “बढ़ते कदम... *Marching Ahead*”, is more than just a title - it is a philosophy that resonates with our mission and vision.

This publication is more than a collection of articles, views, and events, it is a mirror reflecting the hard work, discipline, and dedication that define the spirit of the Academy.

In this inaugural issue under new name, you will notice a fresh perspective, new features, and a renewed commitment to showcasing the best of our academy. We have kept our promise to deliver a newsletter that is different and updated every time. This would not be possible without the valuable contributions of our trainees and faculties, who have been instrumental in shaping this publication.

As we march ahead, we are excited to share our stories, achievements, and experiences with you. We are committed to making this newsletter a reflection of our academy’s spirit and values.

I hope you enjoy reading this issue and look forward to your feedback and suggestions. Let us march ahead together!

Best regards,

Mohammad Ali, IPS

Deputy Director - I/DPA

Editor, “बढ़ते कदम... *Marching Ahead*”

# Contents


Guiding Delhi Police towards New Age Policing ..... 8

Delhi Police Academy Celebrates Passing Out Parade of 4,088 Recruit Constables ..... 11

Recruit Constables Batch 124: Performance Accolades ..... 16

Recognizing Excellence: Commending Our Drill Instructors ..... 17

Visit by Special Commissioner of Police (Training), Delhi ..... 18

Delhi Police Academy Celebrates International Yoga Day ..... 20

Delhi Police Academy Holds Oath Ceremony for Head Constables (Min.) ..... 22

Glimpses of Events at DPA ..... 23

Charting the Future of Law Enforcement: DPA Trainees at Bharat Mandapam 24

Bringing Change Beyond the Uniform! ..... 26

अकादमी में हरियाली: कर्तव्य से बढ़कर जुनून ..... 27

बिगुल की धुन: एक नई सुबह का आरंभ, एक गौरवशाली दिन का समापन ..... 30

Implications of the Omission of Section 377 IPC in the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 ..... 31

उस्ताद (Drill instructor) का महत्व ..... 33

Mastering Anger: A Quick Guide for Police Officers ..... 35

Poems ..... 36

When Duty Meets Art ..... 38

Meet PSI Rakshit Tiwari: A Talented Flutist in Uniform ..... 39

Ask the Expert: Dr. Amit Tyagi ..... 40

Quiz on New Criminal Laws ..... 42

DPA in News ..... 44

# Guiding Delhi Police towards New Age Policing

Delhi Police Academy proudly acknowledges the profound influence of Sh. Sanjay Arora, IPS, Commissioner of Police, Delhi. His visionary leadership has not only modernized our training methodologies but has also substantially elevated our infrastructure and core ethos, upgrading Delhi Police into a dynamic police force.




## Cultivating Future Officers



The Commissioner of Police, Delhi thoughtfully initiated the tradition of inviting senior Special Commissioners of Police to preside over DPA Passing Out parades. This invaluable practice connects trainees with seasoned leaders, such as Sh. R.P. Upadhyay, IPS (Retired as Spl. CP, Special Cell); Sh. Vivek Gogia, IPS, Spl. CP, Special Cell; Sh. Robin Hibu, IPS, Spl. CP, Public Transport Safety Division; and Smt. Nuzhat Hassan, IPS, Spl. CP, Human Resources Division. This fosters a sense of purpose and ensures the institutional wisdom and core values are inculcated to new generations.

## Advancing Training Facilities and Modernizing Capabilities

The commitment of CP, Delhi towards robust training of police personnel is evident in significant infrastructural enhancements across DPA's campuses. At our Advanced Commando Training Centre in Abhanpura, Alwar, Rajasthan, infrastuctural and training facilities were upgraded and personally inaugurated by Sh. Sanjay Arora, Commissioner of Police, Delhi on January 12, 2023. Additionally, at Jharoda Kalan, the NBCC-constructed



building now serves as a dynamic hub with modern amenities for the administrative, academic and residential blocks. The DPA East Campus also boasts new commando obstacles, sports courts, and a fully equipped gymnasium, underscoring his emphasis on strength and agility in police officers.



His commitment to enhancing policing skills for modern challenges is further exemplified by the introduction of Helicopter Slithering exercises, a first for Delhi Police on 30th May, 2023. Krav Maga, a self-defence system primarily used by Israeli Defense Forces, is now integral to training. The first batch of 84 Delhi Police personnel from DPA, including 19 women officers, have been trained in Krav Maga at the ITBP Training Center in Panchkula this year. These master trainers will further disseminate these learnings among our trainees and in-service personnel engaged in initiatives like Sashakti, Nirbheek, etc.



Under his strategic direction, the monumental effort of training over 76,000 personnel in the new criminal laws: Bharatiya



## Cultivating Future Officers

The Commissioner of Police, Delhi thoughtfully initiated the tradition of inviting senior Special Commissioners of Police to preside over DPA Passing Out parades. This invaluable practice connects trainees with seasoned leaders, such as Sh. R.P. Upadhyay, IPS (Retired as Spl. CP, Special Cell); Sh. Vivek Gogia, IPS, Spl. CP,



Special Cell; Sh. Robin Hibu, IPS, Spl. CP, Public Transport Safety Division; and Smt. Nuzhat Hassan, IPS, Spl. CP, Human Resources Division. This fosters a sense of purpose and ensures the institutional wisdom and core values are inculcated to new generations.

## Advancing Training Facilities and Modernizing Capabilities

The commitment of CP, Delhi towards robust training of police personnel is evident in significant infrastructural enhancements across DPA's campuses. At our Advanced Commando Training Centre in Abhanpura, Alwar, Rajasthan, infrastuctural and training facilities were upgraded and personally inaugurated by Sh. Sanjay Arora, Commissioner of Police,



Delhi on January 12, 2023. Additionally, at Jharoda Kalan, the NBCC-constructed building now serves as a dynamic hub with modern amenities for the administrative, academic and residential blocks. The DPA East Campus also boasts new commando obstacles, sports courts, and a fully equipped gymnasium, underscoring his emphasis on strength and agility in police officers.

His commitment to enhancing policing skills for modern challenges is further exemplified by the introduction of Helicopter Slithering exercises, a first for Delhi Police on 30th May, 2023. Krav Maga, a self-defence system primarily used by Israeli Defense Forces, is now integral to training. The first batch of 84 Delhi Police personnel from DPA, including 19 women officers, have been trained in Krav Maga at the ITBP Training Center in Panchkula this year. These master trainers will further disseminate these learnings among our trainees and in-service personnel engaged in initiatives like Sashakti, Nirbheek, etc.

Under his strategic direction, the monumental effort of training over 76,000 personnel in the new criminal



# Delhi Police Academy Celebrates Passing Out Parade of 4,088 Recruit Constables



*Our future protectors in perfect sync!*

Delhi Police Academy hosted two energetic Passing Out Parades for Batch No. 124 of Recruit Constables! The first parade took place on 19th May, 2025, at Wazirabad Campus, where 1,308 male recruits completed their basic training. Sh. Robin Hibu, IPS, Special Commissioner of Police, Public Transport Safety Division, Delhi, was the esteemed Chief Guest, imparting valuable words of wisdom. Sh. Asif Mohd. Ali, IPS, Joint Director, Delhi Police Academy, delivered the Welcome Address, and Sh. Jitendra Mani, Deputy Director-II, Delhi Police Academy, administered the sacred Oath.









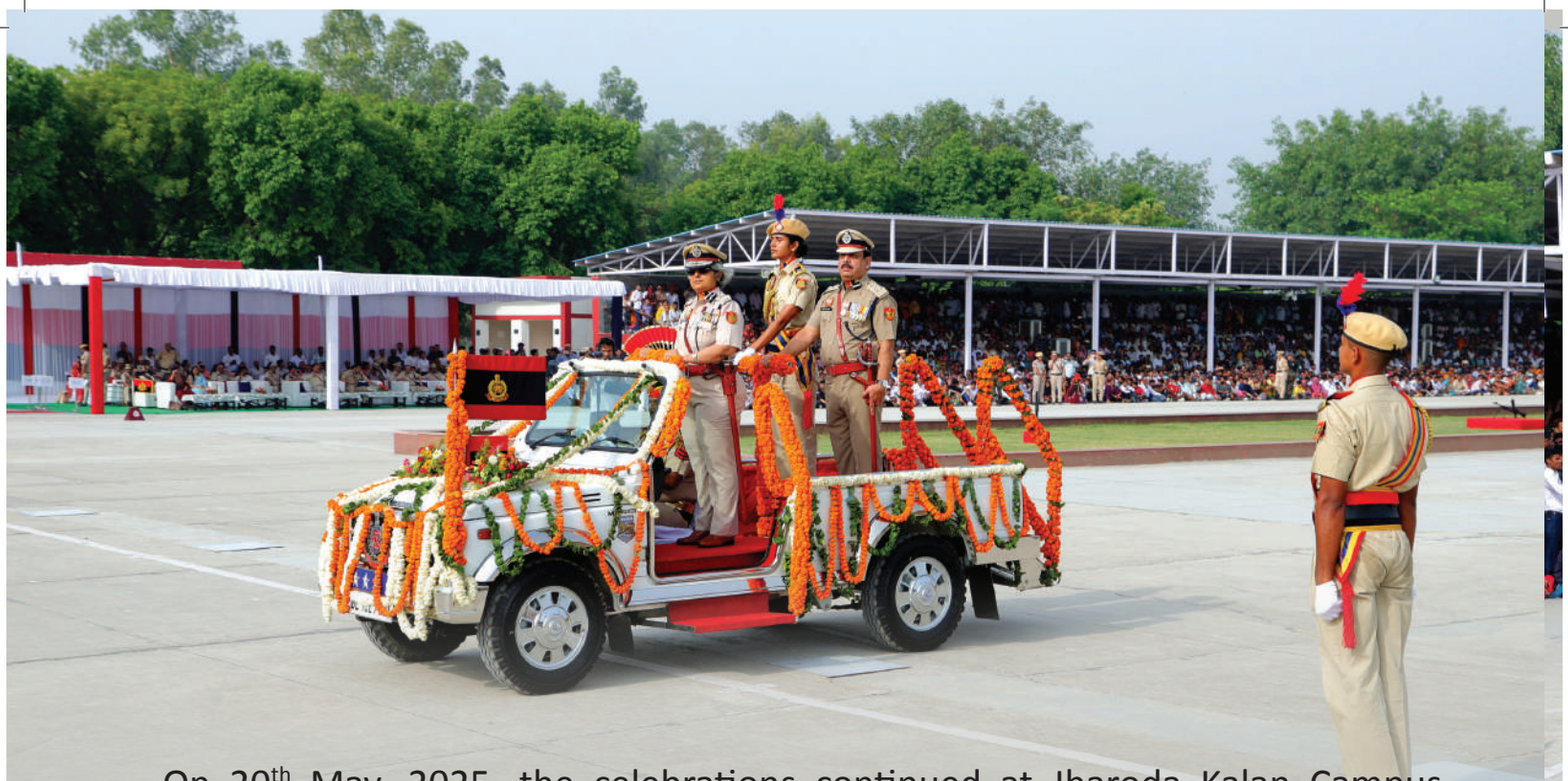












On 20th May, 2025, the celebrations continued at Jharoda Kalan Campus, with 2,780 recruits, including 1,240 female Constables, proudly completing their training. Smt. Nuzhat Hassan, IPS, Special Commissioner of Police, Human Resource Division, Delhi, was the honourable Chief Guest. Sh. Asif Mohd. Ali, IPS, Joint Director, Delhi Police Academy, extended a warm Welcome Address, and the Oath was administered by Sh. Mohammad Ali, IPS, Deputy Director-I, Delhi Police Academy.









A special thanks to Sh. Sanjay Kumar, IPS, Special Comissioner of Police/ Training, Delhi, for his invaluable leadership and supervision that made these parades such a resounding success.











# Recruit Constables Batch 124: Performance Accolades

At the Passing Out Parade, Smt. Nuzhat Hassan, IPS, Special Commissioner of Police, Human Resource Division, Delhi, awarded five outstanding recruits from Batch No. 124:



1. W/R/Ct. Diksha Choudhary earned the All Round Best trophy.
2. W/R/Ct. Bhavna Rana excelled in indoor training.
3. R/Ct. Dheeraj Yadav was top in outdoor performance.
4. R/Ct. Sohit Kumar in commando training.
5. R/Ct. Vikas Kumar topped in Police Procedure.









# Recognizing Excellence: Commending Our Drill Instructors

Recent Passing Out Parades served as a commendable occasion to acknowledge the significant contributions of several dedicated Drill Instructors.

The Wazirabad Campus parade on 19th May, 2025, showed SI Mahender Singh's exemplary instruction of Contingent No. 14, which was awarded as the best marching contingent.



At the Jharoda Kalan Campus parade on 20th May, 2025, the expert guidance of W/HC Ravita was instrumental in Women's Contingent No. 07 being recognized as the top marching contingent. Similarly, HC Narender expertly trained Men's Contingent No. 22, which also received a comparable distinction for its outstanding performance.





The evident precision and high standards displayed by these contingents are a direct testament to the rigorous training and unwavering dedication of their respective instructors. We extend our sincerest congratulations to these remarkable individuals for their well-deserved recognition.

# Visit by Special Commissioner of Police (Training), Delhi

**Sh. Sanjay Kumar, IPS, Special Commissioner of Police (Training)**, **Delhi,** conducted a comprehensive visit to Delhi Police Academy's campuses at Jharoda Kalan, Wazirabad, and Dwarka. The objective was to gain firsthand insight into ongoing training programs and assess the existing infrastructure. Engaging directly with trainers and staff posted at all campuses of DPA, Sh. Sanjay Kumar, Special CP Training, discussed current capabilities and identified areas for future development. This strategic exercise aims to ensure DPA remains at the forefront of modern policing education, aligning resources with evolving training needs.

**Visit to Dwarka Campus**







## Visit to Jharoda Kalan Campus





## Visit to Wazirabad Campus







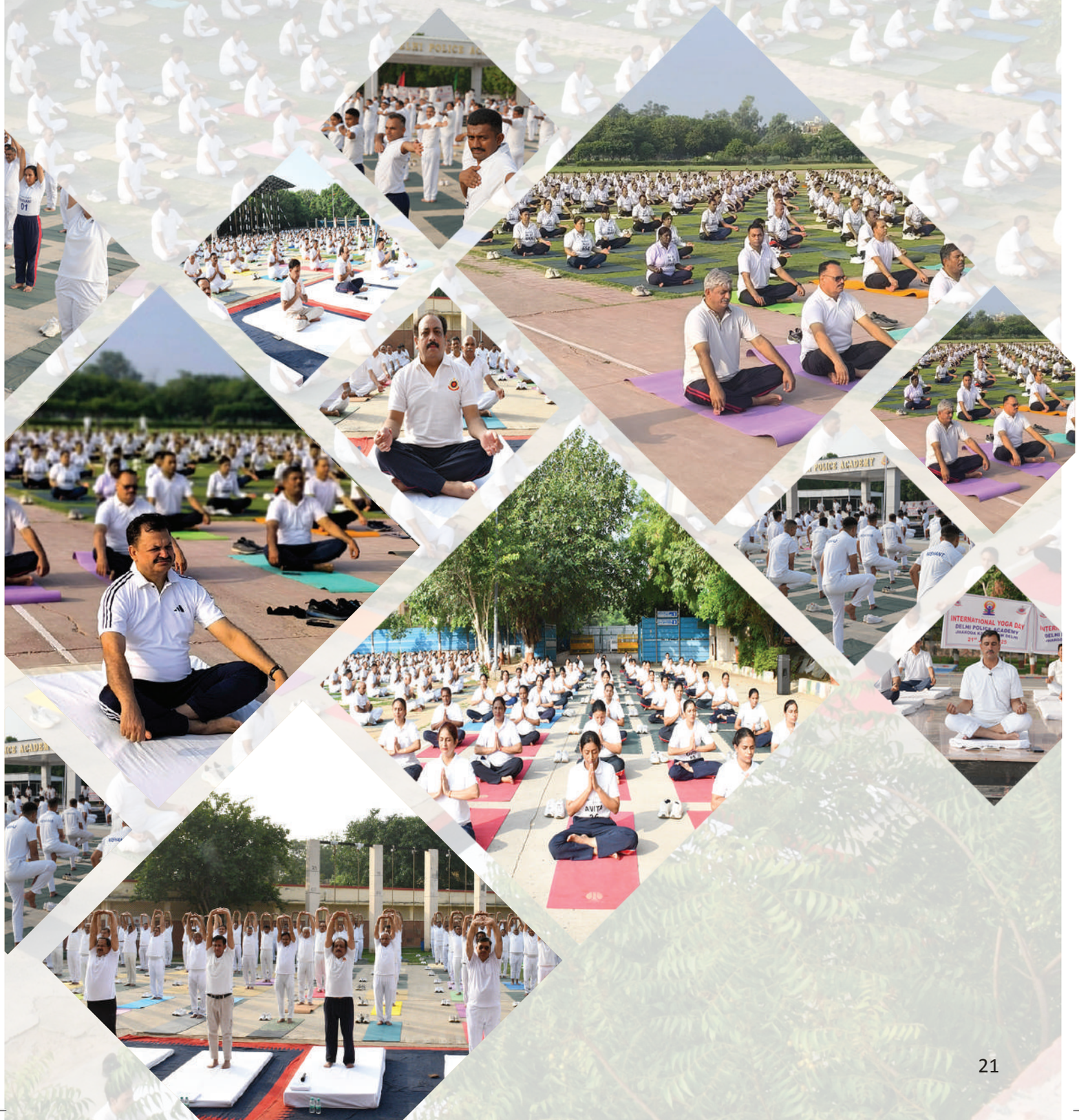
# Delhi Police Academy Celebrates International Yoga Day

International Yoga Day was celebrated with enthusiasm across the Delhi Police Academy campuses on 21st June, 2025. Sh. Sanjay Kumar, IPS, Spl. CP, Training, Delhi, participated in the event organised at PHQ on the ocassion of International Yoga Day.



At DPA Dwarka, Sh. Asif Mohd. Ali, IPS, Joint Director, DPA, participated, performing yoga alongside trainees and staff. The spirit of well being extended to Jharoda Kalan and wazirabad campuses as well.

At Wazirabad, Sh. Mohammad Ali, IPS, Deputy Director-I, DPA, joined staff and trainees for the program, emphasizing yoga's importance for physical and mental fitness within the force.



# Delhi Police Academy Holds Oath Ceremony for Head Constables (Min.)

An oath ceremony was held on 20th June, 2025, at Delhi Police Academy, Jharoda Kalan, for 29 Head Constables (Ministerial), including 12 women, of Batch No. 70.














Sh. Jitendra Mani, IPS, Deputy Director-II, DPA, took the salute and addressed the trainees, urging honesty and dedication. The Trainees had their oath administered by Sh. Richhpal Singh, AD (Outdoor), DPA, JK (East Campus).



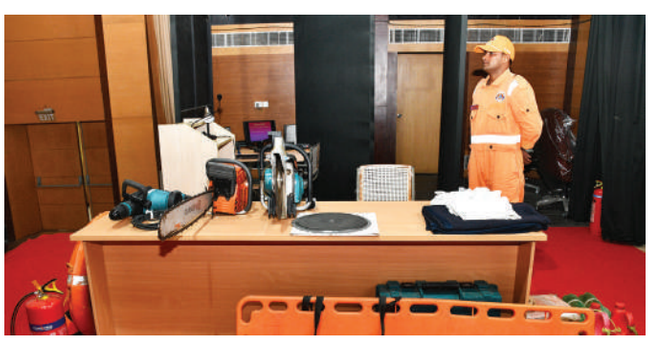
# Glimpses of Events at DPA

DPA's Jharoda Kalan and Dwarka campuses hosted impactful workshops by experts from the Brahma Kumaris on 5th July, 2025. These sessions focused on crucial areas of soft skills, emotions management, and stress management, providing invaluable insights for personal and professional growth.



Attended by Recruit Constables and in-service officers on promotion courses for Sub Inspector rank, and the faculty of DPA, the workshops aimed to equip participants with tools for inner resilience. The core ideas revolved around understanding the self as a peaceful soul, the power of positive thoughts, self-control over emotions, and practical techniques meditation to achieve mental tranquillity and manage daily pressures effectively. The emphasis was on cultivating inner peace to enhance external performance and well-being in their demanding roles.

The Delhi Police Academy regularly organizes crucial lectures by the National Disaster Response Force (NDRF) for its trainees. These sessions are a vital component of each batch's curriculum, underscoring the critical role police personnel play as first responders during disasters.



On 22nd July, 2025, Sh. Mohammad Ali, IPS, Dy. Director-I/DPA, held an interactive session with DANIPS Probationers and PSIs. He actively listened to their concerns and assured them of solutions. He also motivated the officers to identify areas for future training, suggesting vital topics such as cyber security, enhanced computer skills, or specialized weapon training.





The DPA campuses at Jharoda Kalan and Wazirabad hosted an insightful lecture/ workshop on Anger Management led by Dr. Sanhita Chaudhary on 17th & 18th June, 2025. These sessions were a crucial opportunity for both trainees and faculty to delve into effective strategies for managing anger. Dr. Sanhita's lecture provided valuable tools and perspectives, equipping attendees with practical techniques to navigate and control this powerful emotion.



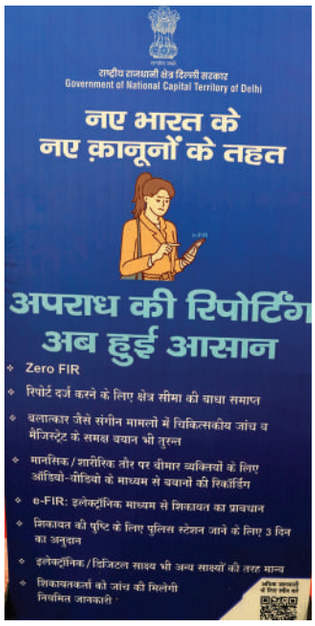
# Charting the Future of Law Enforcement: DPA Trainees at Bharat Mandapam

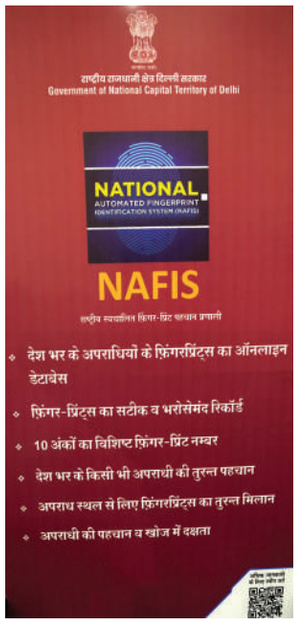


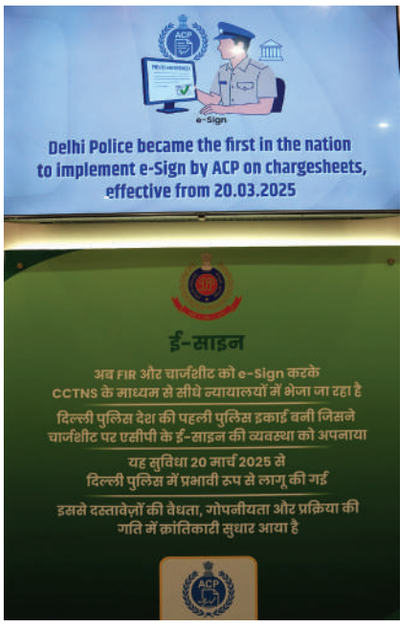

A magnificent exhibition was organised by Delhi Police at Bharat Mandapam in New Delhi from 1st-9th July, 2025, marking the first anniversary of India's transformative New Criminal Laws: Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS), Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita (BNSS), and Bharatiya Sakshya Adhiniyam (BSA). This awareness drive aimed to familiarize citizens, school children, officers from law enforcement agencies, and legal professionals with these profound changes.



Trainees from the Delhi Police Academy, from all three campuses, were taken to Bharat Manadapam for this insightful visit. The exhibition, meticulously structured into nine thematic stations, guided visitors from initial complaint to final judgment. DPA trainers actively contributed to the layout of these exhibits, the scripts, and in answering visitor queries. Live demonstrations by students from the National School of Drama, alongside police and forensic officers, brought the new laws to life.




The Delhi Police's stand highlighted key digital reforms like eSakshya for secure digital evidence, MedLEaPR for real-







time medical report transmission via CCTNS, and eForensics 2.0. The integration of biometric identification tools like NAFIS (National Automated Fingerprint Identification System) and Chitrakhoji (facial



recognition) deeply impressed the trainees, underscoring the importance of digital literacy in modern policing. NAFIS centralizes fingerprint data, enabling rapid identification of individuals across the country.

This visit served as a crucial bridge for DPA trainees, reinforcing their theoretical learning with practical scenarios. Experiencing the emphasis on victim rights, scientific investigation, and digital efficiency, trainees gained a deeper appreciation for the transformation our judicial system has witnessed by shifting focus from punishment to justice. This immersive experience undoubtedly prepared our trainees to become smart, digitally capable, and justice-oriented officers.











# Bringing Change Beyond the Uniform!



On 26th June, 2025, something special happened in the villages surrounding the DPA Jharoda Kalan campus. The women PSIs of DPA, JK, of Batch No. 56, took to the streets, not in uniform for patrol, but to perform a 'Nukkad Natak' they themselves had written. Their powerful play tackled the critical issue of de-addiction, captivating audiences with its vital message.

But their work didn't end when the curtain fell (or rather, when the last scene was played out on the street). These dedicated PSIs then interacted with the locals, building bridges and fostering a sense of community. This effort is a shining example of community policing in action, showing how thoughtful engagement can make a real difference in people's lives.









# अकादमी में हरियाली: कर्तव्य से बढ़कर जुनून

दिल्ली पुलिस अकादमी, झाड़ौदा कलां परिसर, केवल कानून प्रवर्तन के भविष्य को आकार देने वाली एक प्रतिष्ठित संस्था नहीं है, बल्कि यह प्रकृति की अनुपम सुंदरता और संरक्षण के प्रति अटूट समर्पण का भी एक जीवंत प्रमाण है। यहाँ के विस्तृत और हरे-भरे मैदान, जिनमें सैकड़ों वृक्ष और पौधे लहलहाते हैं, अनेक जीवों के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल हैं। राष्ट्रीय पक्षी मोर अपनी शान से घूमते हैं, विभिन्न प्रजातियों के पक्षी कलरव करते हैं, और अनगिनत छोटे जीव इस समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं। यह हरियाली, जो आँखों को सुकून और मन को शांति देती है, अकादमी के समर्पित स्टाफ, उत्साही प्रशिक्षुओं और दूरदर्शी वरिष्ठ अधिकारियों के साझा प्रयासों का परिणाम है।

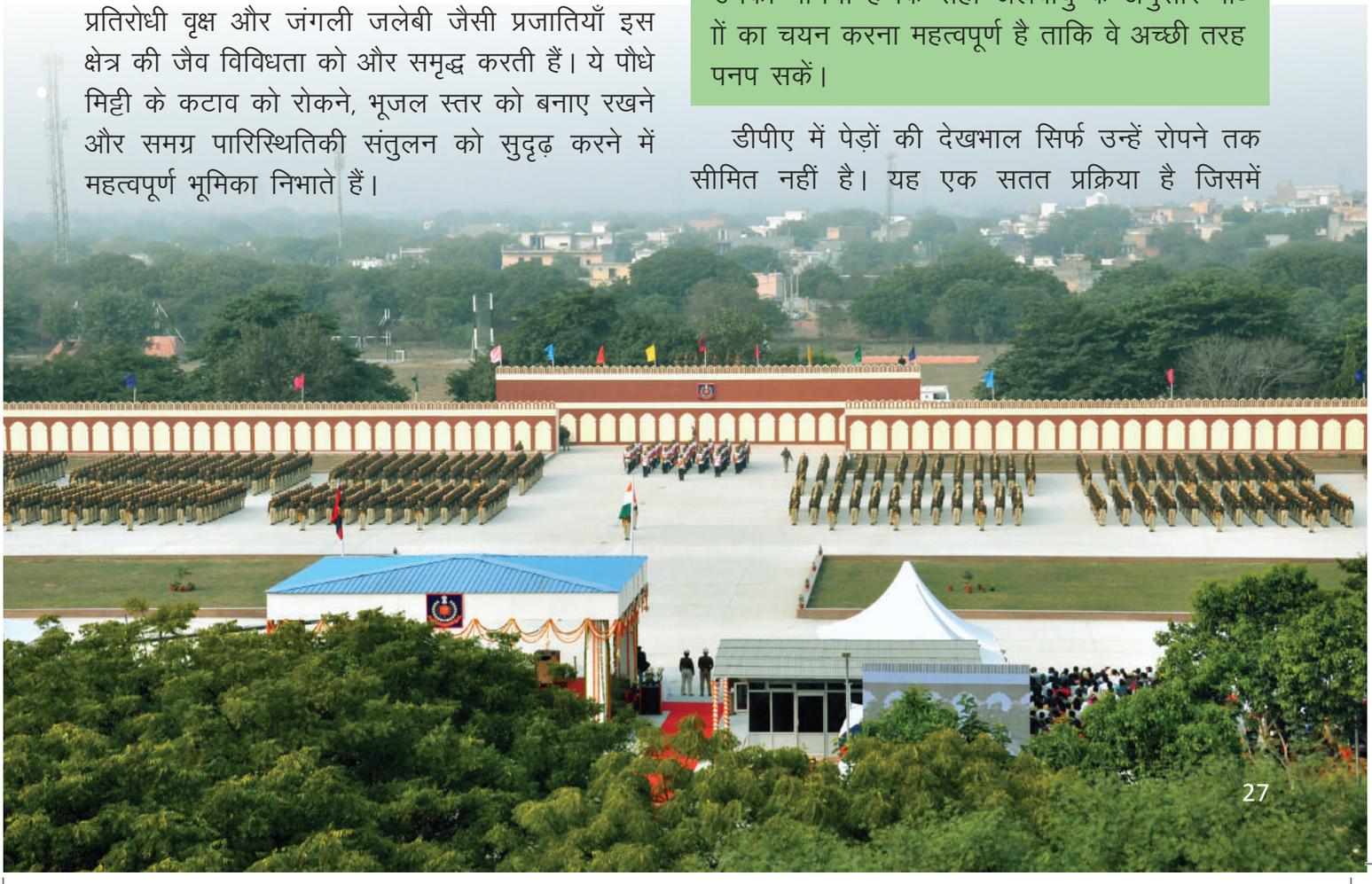
यह उल्लेखनीय है कि झाड़ौदा कलां और नजफगढ़ के आसपास के क्षेत्रों की स्थानीय वनस्पतियाँ इस परिसर की प्राकृतिक सुंदरता में चार चाँद लगाती हैं। यहाँ के वृक्षों में नीम, पीपल, बरगद, शीशम और बबूल जैसे छायादार और औषधीय महत्व वाले पेड़ प्रमुखता से पाए जाते हैं। ये पेड़ न केवल वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि स्थानीय वन्यजीवों को भोजन और आश्रय भी प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, खेजड़ी जैसे सूखे प्रतिरोधी वृक्ष और जंगली जलेबी जैसी प्रजातियाँ इस क्षेत्र की जैव विविधता को और समृद्ध करती हैं। ये पौधे मिट्टी के कटाव को रोकने, भूजल स्तर को बनाए रखने और समग्र पारिस्थितिकी संतुलन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

### प्रधान सिपाही जितेंद्र सिंह

प्रधान सिपाही जितेंद्र सिंह, जो दिल्ली पुलिस अकादमी, झाड़ौदा कलां में कार्यरत हैं, उनकी प्रकृति प्रेम की कहानी उनके किशोरावस्था से ही शुरू हो गई थी। अपने गांव में वे नियमित रूप से पेड़ लगाते, उन्हें पानी देते, खरपतवार हटाते और जंगली जानवरों से बचाने के लिए कंटीले तार लगाते थे। अब अपने कार्यक्षेत्र में भी वे पीपल और नीम जैसे महत्वपूर्ण छायादार वृक्षों का रोपण करते हैं। इसी प्रेरणा से वे उचित स्थानों पर पेड़-पौधे लगाते रहते हैं और अधिक से अधिक लोगों को इस नेक कार्य से जोड़ने का प्रयास करते हैं। उनका मानना है कि सही जलवायु के अनुसार पौधों का चयन करना महत्वपूर्ण है ताकि वे अच्छी तरह पनप सकें।



डीपीए में पेड़ों की देखभाल सिर्फ उन्हें रोपने तक सीमित नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें





श्री संजय कुमार, विशेष पुलिस आयुक्त, प्रशिक्षण ने वज़ीराबाद परिसर में पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

गहन लगन और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं द्वारा नियमित रूप से पानी देना, खरपतवार हटाना, जैविक खाद का प्रयोग, कीट नियंत्रण, समय पर छंटाई (प्रूनिंग) और जड़ों को हवा देना (एरेशन) जैसे कार्य पूरी निष्ठा के साथ किए जाते हैं। ये प्रयास यह सुनिश्चित करते हैं कि हर पौधा स्वस्थ रहे और पूरी तरह विकसित हो सके, जिससे अकादमी का परिसर हर साल और भी हरा-भरा और जीवंत होता चला जाता है। वरिष्ठ अधिकारियों की प्रतिबद्धता इस बात का प्रमाण है कि वे इस संवेदनशील और बहुमूल्य वनस्पति और जीवों के प्रति कितने सजग हैं, और उनके संरक्षण, परिरक्षण तथा संवर्धन के लिए वे दृढ़ संकल्पित हैं।

## प्रेरणा के स्रोत: प्रकृति के प्रति जुनून की कहानियाँ

डीपीए में कई ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने प्रकृति के प्रति अपने गहरे प्रेम और जुनून को अपने दैनिक कर्तव्यों से कहीं ऊपर रखा है। उनकी कहानियाँ न केवल हमें प्रेरित करती हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि कैसे एक व्यक्ति का छोटा सा प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकता है।

ये कहानियाँ दिल्ली पुलिस अकादमी के उन सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के जुनून और प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब हैं, जो अपने कर्तव्य से कहीं बढ़कर प्रकृति के प्रति अपने प्रेम को दर्शाते हैं। उनके अथक प्रयास और अटूट समर्पण ही डीपीए परिसर को न केवल एक प्रशिक्षण स्थल बनाते हैं, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के सामंजस्य का एक जीवंत उदाहरण भी प्रस्तुत करते हैं। यह एक सशक्त संदेश देता है कि व्यक्तिगत प्रयास सामूहिक रूप से कितना बड़ा और सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। आइए, हम सभी इन प्रेरणादायक गाथाओं से सीख लें और अपने आसपास के वातावरण को हरा-भरा बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दें।



प्रधान सिपाही अमित कुमार, जो आउटडोर फैकल्टी, वेस्ट कैंपस में तैनात हैं, इस मुहिम के एक प्रबल समर्थक हैं। 2014 से उनका यह जुनून और गहरा हुआ है, और वे अपने प्रशिक्षुओं को भी इस नेक कार्य में शामिल करते हैं। जैसा कि वे कहते हैं, "पेड़ लगाना सिर्फ परोपकार नहीं, यह हमारे स्वयं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।" उनका मानना है कि एक पौधे को बच्चे की तरह पालना होता है, क्योंकि "पेड़ लगाने से मतलब नहीं, उनकी देखभाल जरूरी है।"

## उप–निरीक्षक बनार सिंह: युवा पीढ़ी को प्रकृति का पाठ



उप–निरीक्षक बनार सिंह, जो दिल्ली पुलिस अकादमी के ईस्ट कैंपस से आते हैं, हरियाणा के एक ग्रामीण क्षेत्र से संबंध रखते हैं। उनका जुनून केवल पेड़ लगाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वे युवा पीढ़ी को पेड़–पौधों के नाम, उनकी प्रकृति और मानव जीवन में उनके महत्व के बारे में शिक्षित भी करते हैं। वे स्वयं पेड़–पौधे लगाते हैं ताकि आने वाला समय मनुष्य, जीव–जंतु और पशु–पक्षियों के लिए हरा–भरा हो, जलस्तर बढ़े और वनस्पति की कमी न हो। बनार सिंह का जोर सही प्रकार के पेड़–पौधों का चुनाव करने, उनहें उचित दूरी पर रोपण करने, खाद और दवा का प्रयोग करने, तथा जानवरों से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने पर है। वे विशेष रूप से स्थानीय पेड़–पौधों को प्राथमिकता देने की वकालत करते हैं, क्योंकि वे विदेशी प्रजातियों की तुलना में स्थानीय जलवायु के लिए अधिक अनुकूल होते हैं और पर्यावरण को बेहतर ढंग से स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं। उनकी सलाह है कि हर इंसान को पेड़–पौधे लगाने पर ध्यान देना चाहिए ताकि आने वाला समय सभी के लिए लाभदायक हो।

## उप–निरीक्षक उमेद सिंह: गांव की जड़ों से जुड़ा हरा–भरा सपना



उप–निरीक्षक उमेद सिंह, जो दिल्ली पुलिस अकादमी के ईस्ट कैंपस, लॉ फैकल्टी में कार्यरत हैं, उनके लिए पेड़–पौधों से लगाव उनके बचपन की पृष्ठभूमि से उपजा है। एक किसान के बेटे के रूप में, गांव में बिताया उनका बचपन उन्हें प्रकृति के करीब ले आया। वे गहराई से महसूस करते हैं कि जब तक हम प्रकृति के लिए पेड़–पौधे नहीं लगाएंगे तो प्रकृति को बचाना मुश्किल है। उन्हें इस बात का दुख है कि आधुनिकता की अंधी दौड़ में मनुष्य भले ही सर्व–समृद्ध हो गया हो, लेकिन प्रकृति की सुंदरता को लगातार नष्ट कर रहा है। वाहनों से निकलता धुआँ, कारखानों से फैलता प्रदूषण, और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हमारे पर्यावरण को गंभीर रूप से दूषित कर रही है। उमेद सिंह का संकल्प है कि वे अधिक से अधिक पेड़–पौधे लगाएं और "पेड़ लगाओ वातावरण बचाओ" का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचाएं। उनका लक्ष्य है कि वे अपने साथियों की मदद से उन सभी स्थानों पर वृक्षारोपण करें जहाँ इसकी आवश्यकता है, और उनकी उचित देखभाल भी सुनिश्चित करें। उन्हें विश्वास है कि यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ वातावरण, समय पर वर्षा, पशु–पक्षियों की वृद्धि और जलस्तर में सुधार लाएगा।







# बिगुल की धुन: एक नई सुबह का आरंभ, एक गौरवशाली दिन का समापन

सुबह की पहली किरण, जब धरती पर उतरती है, और दिल्ली पुलिस अकादमी के प्रांगण में एक मधुर, किंतु ओजस्वी ध्वनि गूँज उठती है। यह है बिगुल की धुन! यह सिर्फ एक ध्वनि नहीं, यह एक आह्वान है, एक प्रेरणा है, जो हर प्रशिक्षु के भीतर कर्तव्यनिष्ठा की लौ प्रज्वलित करती है। किसी अदृश्य सारथी की तरह, यह धुन हर सुबह नींद की चादर हटाकर, आलस्य के बंधनों को तोड़कर, एक नए दिन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार होने का संकेत देती है।



सिपाही सुरेश कुमार

हमारे देश के सैन्य और पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों में बिगुल की भूमिका सिर्फ समय बताने तक सीमित नहीं है। यह अनुशासन का प्रतीक है, परंपरा का वाहक है और उस गौरवशाली विरासत का हिस्सा है, जो हमें हमारे पूर्वजों से मिली है। दिन की शुरुआत 'रिवेली' (Reveille) की धुन से होती है, जो कहती है, "उठो, जागो और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ो!" यह सिर्फ शारीरिक जागरण नहीं, बल्कि मानसिक और आत्मिक जागरण का संदेश है। यह याद दिलाती है कि हर नया दिन एक नया अवसर लेकर आता है, स्वयं को बेहतर बनाने का, अपने सपनों को साकार करने का।

और जब सूरज ढलने लगता है, दिन की तपिश शांत होती है, तब 'रिट्रीट' (Retreat) के समय बिगुल की धुन वातावरण में घुल जाती है। यह दिन के समापन का संकेत है, पर यह सिर्फ अंत नहीं, यह चिंतन का क्षण है। यह हमें सिखाती है कि दिनभर की मेहनत के बाद, विश्राम भी उतना ही आवश्यक है। यह धुन हमें अपने किए गए कार्यों का मूल्यांकन करने, अपनी गलतियों से सीखने और अगले दिन के लिए नई ऊर्जा संचित करने का अवसर देती है। यह एक शांत, मधुर लोरी की तरह है, जो कहती है, "आज का अध्याय समाप्त हुआ, कल फिर एक नई शुरुआत होगी।"

दिल्ली पुलिस अकादमी के लिए बिगुल की यह धुन और भी विशेष है। यह सिर्फ एक प्रशिक्षण संस्थान नहीं, यह वह पावन भूमि है जहाँ भविष्य के रक्षकों को गढ़ा जाता है। यहाँ हर सुबह बिगुल की धुन के साथ, खाकी वर्दी पहनने का सपना जागता है, और हर शाम उसकी गूँज में, देश सेवा का संकल्प और गहरा होता है। यह धुन यहाँ के हर कंकड़, हर दीवार में समाई हुई है, जो यहाँ के वातावरण को एक अद्वितीय ऊर्जा से भर देती है।

बिगुल की धुन हमें सिखाती है कि जीवन एक लय है, एक ताल है। इसमें जागरण भी है और विश्राम भी, संघर्ष भी है और शांति भी। यह हमें बताती है कि हर अंत एक नई शुरुआत का द्वार खोलता है, और हर चुनौती एक अवसर है, अपनी क्षमताओं को पहचानने का। यह धुन एक अदृश्य धागे की तरह है, जो अकादमी के हर प्रशिक्षु को एक-दूसरे से और देश सेवा के अपने पवित्र कर्तव्य से जोड़ती है।

तो अगली बार जब आप बिगुल की धुन सुनें, तो इसे केवल एक ध्वनि न समझें। यह उस अटूट भावना का प्रतीक है, उस अदम्य साहस का प्रतीक है, और उस अनवरत यात्रा का प्रतीक है, जो हमें एक बेहतर कल की ओर ले जाती है। यह धुन हमें याद दिलाती है कि अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा ही सफलता की कुंजी है, और इन्हीं मूल्यों के साथ हम हर चुनौती को पार कर सकते हैं। यह बिगुल की धुन है, जो हमें हर पल प्रेरित करती है, आगे बढ़ने के लिए, और देश के प्रति अपने दायित्व को निभाने के लिए।



प्रधान सिपाही विनोद कुमार

इस गौरवशाली परंपरा को जीवित रखने वाले दिल्ली पुलिस अकादमी के प्रधान सिपाही विनोद कुमार जैसे बिगुल वादक बताते हैं, "बिगुल की हर धुन, चाहे वह जीत का उल्लास हो या गहन चिंतन का क्षण, हमारे भीतर की भावनाओं का प्रतिबिंब है।" उनकी उंगलियों से निकले ये स्वर, सदियों पुरानी विरासत को नई पीढ़ियों तक पहुँचाते हैं, हर नोट में कर्तव्य और निष्ठा का संदेश लिए हुए।



*Ms. Sujata*
*Assistant Public Prosecutor*
*Indoor faculty, DPA, JK*



# Implications of the Omission of Section 377 IPC in the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023

General penal code i.e., Indian Penal Code 1860 (hereinafter called as IPC) is recently replaced by Bharatiya Nayaya Sanhita 2023 (hereinafter called as BNS). Section 377 of IPC is not incorporated in BNS meaning thereby that it has been de-criminalised. Section 377 is reproduced here for the sake of convenience:

"Whoever voluntarily has carnal intercourse against the order of nature with any man, woman or animal, shall be punished with imprisonment for life, or with imprisonment of either description for a term which may extend to ten years, and shall also be liable to fine."

The plain reading of this section suggests that it punishes carnal intercourse against the order of nature which means the sexual intercourse other than penile-vaginal intercourse between a man and a woman. It is also suggested by the term used in section "carnal intercourse against the order of nature with any man, woman or animal,". This provision gave protection to the male, female and animals.

The definition of rape as in IPC which is an offence against women only. It was amended to give it broader meaning in aftermath of Nirbhaya Gang Rape Case and same broad definition is included in BNS which includes all kind of sexual assault against a woman by a man. Before amendment, rape included only penile-vaginal intercourse which were not with the consent with the woman. And cases other than that were covered by Section 377. But now the definition incorporates in it every kind of penetration e.g. penetration into vagina, urethra or annul or even mouth if it is penile penetration and penetration into vagina, annul, urethra if the penetration is by any object, body parts etc. So the non-incorporation of Section 377 IPC will not have adverse effect in respect of women who are victims of sexual assault as they are covered by definition of rape itself.

What is changed here is the position with respect to married women above the age of 18 years in cases of penetration other than penile-vaginal penetration. In such cases which was an offence earlier under section 377 IPC is not considered to be so because the term sexual-intercourse in such case has been given the same meaning as defined in section 63 which constitutes rape in other cases. The Hon'ble HC of MP in Manish Sahu Vs. State of M.P., (2024 SCC online MP 2603) has held that no offence will be made out against husband under section 377 for

unnatural sex with his wife. So can we say that now husband can sexually assault his wife even with an object unnaturally and he should not entail any liability for the same.

Decriminalisation of this provision takes away the protection which was given to adult male members against the sexual assault as the minor male members are given protection in POCSO Act. In Navtej Singh Johar Vs. UOI (2018), a 5-judges Bench unanimously decriminalized consensual sex between two adults irrespective of their gender and partially struck down Section 377 IPC. The court struck down this provision considering the fact that this provision was used as a weapon to harass members of the LGBTQ community, resulting in their discrimination. The judgment of Hon'ble was a welcome step to ensure the equality to the consenting partners. The provision could have been retained in BNS to the extent of assault on non-consenting sexual intercourse.

Further as unnatural intercourse etc is not an offence anymore, the provision which gives right of private defence of body to the extent of causing death of the assailant under section 38(d) can be questioned because the right of private defence can be invoked only against the offence as enacted under Section 35 of the BNS. Though the word 'unnatural lust' has not been connected to the provision as mentioned in section 377, but if not referred to that, this provision will not otherwise stand as will not be considered as offence in light of Section 35 read with section 36.

Apart from male, the protection given to animals indirectly is also taken away because though this chapter deals with offences against human body but still it could save animal against that immoral act of a human being against the animals and exclusion of this provision from BNS makes animals a vulnerable prey to sexual abuses.

To conclude it can be said that the section 377 of IPC could be retained for non-consenting adults. Further there is need to make amendments in the term 'sexual intercourse' between male and his wife (not under the age if 18 years) which is not recognized as offence being in marital relations in light of the fact that marital rape is not an offence.

Furthermore, if the provision is not included in the BNS, the question arises as to which law can be applied to a person who sexually assaults an adult male. In such situations, the perpetrator may be charged under laws related to assault, use of criminal force, causing hurt or grievous hurt, culpable homicide, or murder—depending on the specific facts and circumstances of the case. However, they cannot be prosecuted for sexual assault, as adult males are not recognized as victims under the existing definition.

*"Change is the law of life. And those who look only to the past or present are certain to miss the future."*
*- John F. Kennedy*



निरीक्षक कप्तान सिंह
मुख्य ड्रिल प्रशिक्षक
दिल्ली पुलिस अकादमी,
पश्चिम परिसर, झाड़ौदा कलां

# उस्ताद
## (Drill instructor) का महत्व

- पुलिस बल में भर्ती आम नागरिकों को कुशल पुलिस अधिकारी बनाने में ड्रिल उस्ताद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, वह केवल प्रशिक्षण देने वाला ही नहीं होता, बल्कि एक अनुशासित मार्गदर्शक, समय का पाबन्द और प्रेरक व्यक्तित्व भी होता है। उस्ताद नागरिक को दक्ष जवान बनने की प्रक्रिया में वह पहला मजबूत स्तंभ होता है, जो एक सामान्य नागरिक को एक अनुशासित, शारीरिक रूप से सक्षम, मानसिक रूप से मजबूत, देशभक्ति, ईमानदारी, निष्पक्षता, कर्तव्यपरायणता और पुलिस विभाग के प्रति स्वाभिमान की भावना आदि गुणों को विकसित करने के बाद एक सामान्य इंसान को फौलादी जवान में बदल देता है।
- उस्ताद प्रशिक्षण प्रणाली की रीढ़ होता है। उस्ताद पुलिस बल में प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु में वरिष्ठों का सम्मान, जिम्मेदारी और जवाबदेही की संस्कृति को विकसित करता है, जिससे पुलिस बल में एकता, सामंजस्य और टीम के लिए काम करने की भावना को बढ़ावा मिलता है। उस्ताद जवानों के अंदर ट्रेनिंग के दौरान मानसिक मजबूती व सहनशीलता का विकास करता है, जिससे वे उच्च तनाव की परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखने में सक्षम हो जाते हैं।
- उस्ताद ट्रेनिंग के दौरान जवान में उचे दर्जे का अनुशासन, सीनियर के आदेशों का सकारात्मक व विश्वास के साथ पालन करना सिखाता है। ट्रेनिंग के दौरान उस्ताद पीटी–परेड के द्वारा जवानों को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाकर, जवानों में टीम नेतृत्व के गुण, आत्मनियंत्रण व साहस पैदा करना, व्यावसायिक कुशलता और विपरीत परिस्थितियों में शत–प्रतिशत परिणाम देने जैसे गुणों को विकसित करता है। उस्ताद अपने जवानों में हार न मानने का जज्बा पैदा करना, अपनी गलती को स्वीकार करना सीखना और अपनी जिम्मेदारी के साथ काम व जवाबदेही की भावना को विकसित करता है।
- उस्ताद प्रशिक्षण के दौरान सभी जवानों को शारीरिक प्रशिक्षण के अलावा हथियार चलाना, कम से कम बल का प्रयोग करके भीड़ को नियंत्रित करना तथा विस्फोटक पदार्थों की जानकारी भी देता है, और योग के द्वारा मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत भी बनाता है।
- उस्ताद मार्ग दर्शन और अनुशासन का आदर्श होता है। उस्ताद की आवाज में जोश, उसके आदेशों में अनुशासन, उसकी दृष्टि में परखने की शक्ति, समय का पाबंद, कठोर परिश्रम, नेतृत्व से युक्त, धैर्यशील और न्याय प्रिय प्रेरणादायक व्यक्तित्व होता है। उसका चरित्र उत्तमता का प्रतीक होता है। उसकी मेहनत और शक्ति ही बाद में पुलिस बल का गौरव बनती है। उसकी मेहनत का फल जब देखने को मिलता है, जब कोई जवान फील्ड में साहस दिखाता है, या परेड ग्राउंड में परिपूर्ण प्रदर्शन करता है। वह जवान में मानसिक व शारीरिक दृढ़ता का विकास करता है। प्रशिक्षण काल में वह पिता की तरह सख्त और एक शिक्षक की तरह मार्गदर्शक होता है। उस्ताद जिन गुणों का प्रशिक्षण

के दौरान जवान में विकास करता है, उन गुणों से परिपूर्ण होता है। प्रशिक्षण के दौरान ड्रिल उस्ताद कदम से कदम मिलाकर चलना सिखाता है। यह एक ड्रिल ही नहीं बल्कि यह अनुशासन, एकता, आत्म नियंत्रण और देशभक्ति का प्रतीक होता है।

- प्रशिक्षण के दौरान उस्ताद का कमांड, जवान में राष्ट्र प्रेम और कर्तव्य निष्ठा का संचार करता है। उस्ताद सीमित संसाधनों में भी प्रशिक्षण देकर उत्तम ट्रेनी तैयार करते हैं। उस्ताद स्वंम अनुशासित, सशक्त एवं प्रेरणादायक होते हैं, जिससे नव प्रशिक्षनार्थी उन्हें अपना आदर्श मानते हैं।
- प्रशिक्षण के दौरान उस्ताद केवल सख्त शिक्षक ही नहीं होते हैं, बल्कि एक संरक्षक, दोस्त व मार्गदर्शक भी होते हैं। उनके आदेशों में कठोरता होती है, लेकिन उस कठोरता के पीछे छिपा होता है, एक बेहतर भविष्य का निर्माण। उनके द्वारा दिया गया प्रशिक्षण लंबे समय तक पुलिस बल के सदस्यों के व्यवहार और सेवा में दिखता है। उस्ताद को सख्ती से आदेशों का पालन करवाना होता है, लेकिन इन क्रियाओ के पीछे छुपा होता है, मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास का विकास। वह हर प्रशिक्षु को सिखाते हैं, कि वह अकेला नहीं बल्कि एक टीम का हिस्सा है। सभी को एक लय, एक ताल, एक दिशा में आगे बढ़ाना उस्ताद की कुशलता का परिणाम होता है। यह गुण किसी भी बल की सफलता का मूल आधार बनता है। ड्रिल उस्ताद अनुशासन के प्रथम रक्षक होते हैं और उनकी भूमिका केवल प्रशिक्षण देने तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि वे सेवा के हर स्तर पर आदर्श बने रहते हैं। उनके प्रयासों से ही अनुशासित, साहसी, निडर और समर्पित बल का निर्माण होता है जो समाज की सेवा, सुरक्षा और रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहता है। उस्ताद द्वारा दिया गया प्रशिक्षण एक शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि यह एक समग्र व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया है।
- उस्ताद एक प्रेरक शक्ति है। वह ऐसे योग्य पुलिसकर्मी तैयार करते हैं, जो नागरिकों की सेवा करते हैं, और पुलिस बल का गौरव बढ़ाते हैं। उनकी मेहनत से ही पुलिस बल अनुशासित, सक्षम और गौरवशाली बनता है। राष्ट्रीय सेवा में उस्ताद की भूमिका अतुलनीय है। ऐसे में समर्पित ड्रिल उस्तादों का सदैव सम्मान करना चाहिए, जो हर दिन नए योद्धा तैयार करते हैं।
- DRILL INSTRUCTORSHIP IS NOT A PART OF SERVICE, IT IS WAY OF LIFE !
- डर को हराने की शुरुआत ड्रिल उस्ताद परेड ग्राउंड से कराता है !
- जैसी Drill वैसी Skill !



# Mastering Anger:
# A Quick Guide for Police Officers

## Understanding Anger

Anger is a strong emotion that can have serious consequences if not managed properly. For police officers, uncontrolled anger can lead to poor decision-making, strained relationships, and a loss of public trust. In reality, anger can always lead to loss, whether it's damage to physical health, relationships, or mental peace.



*Sanjeev Kumar*
*Inspector, PRO/DPA*
*Co-ordinator, Newsletter*
बढ़ते कदम... *Marching Ahead*

## Identifying Triggers

A key part of managing anger is knowing what triggers it. For police officers, triggers can include disrespectful suspects, chaotic situations, or frustrating paperwork. Keeping an "anger journal" can help track what makes you angry, how you react, and what happens next.

## Spiritual Perspective on Anger

By focusing on our soul's true nature, we can let go of attachments and expectations that often fuel our anger. Regular practice brings inner calmness, reducing stress and anger. As we connect with our inner self, we become more peaceful and stable, responding to situations with clarity and wisdom. This inner transformation enables us to manage anger more effectively and live a more harmonious life.

## Detachment and Inner Peace

When police officers see themselves as souls playing a role, rather than just their rank or position, they can approach their work with calm and clarity. This mindset helps manage anger, which often arises from unfulfilled desires and ego. By embracing detachment, officers can cultivate inner peace and improve their decision-making, relationships, and overall well-being.

## Anger in the Eyes of Different Faiths

Bhagavad Gita: "As a man contemplates sense-objects, attachment to them arises, from attachment, desire for them will be born, from desire arises anger..."

Gautama Buddha: "Holding on to anger is like grasping a hot coal with the intent of throwing it at someone else; you are the one who gets burned."

Jesus Christ: "But I tell you that anyone who is angry with a brother or sister will be subject to judgment."

Prophet Muhammad: "The strong man is not the one who can overpower others, but the one who can control himself when he is angry."

# माना की जिन्दगी के इम्तेहान हैं बड़े

माना की जिन्दगी के इम्तेहान हैं बड़े,
हिम्मत भी तेरे पास कुछ कम नहीं।

आसमाँ में बिजलियों का कारवाँ इतना,
फलक छूने की हसरत भी तो कम नहीं।

सागर में है तूफानों का ये सिलसिला,
मगर पीछे लौटना तेरी फितरत तो नहीं।

माना अँधेरी रात लम्बी काटनी मुश्किल,
चराग–ए–हौंसला जलाने को लहू तो कम नहीं।

माना कि राह–ए–इश्क में बदनामियाँ बहुत,
बदनामियों से भी मिली शोहरत तो कम नहीं।

जहाँ के जख्म से है सड़ गया जिस्म मेरा,
जज़्बा लड़ने का फिर भी हुआ तो कम नहीं।

निसार दिल ही जब है कर दिया वतन को,
तो निसार जान करने का जज़्बा भी तो कम नहीं।



*Sh. Jitendra Mani,*
*Deputy Director -II, DPA*

# Guardians of Delhi

With every sunrise, a new day's call,
In India's heart, we stand strong and tall.

My khaki uniform, a badge of pride,
With purpose in step, I stride.

From training grounds, to city's hum,
Each lesson learned, for battles to come.

Through bustling markets, quiet lanes,
We guard peace, through sun and rains.

A vigilant eye, a helping hand,
Serving our people, across this land.

When duty knocks, we never sway,
Even as daylight slips away.

Personal needs we set aside,
For justice, truth, and city's pride.

For justice's cause, we firmly stand,
A shield for the weak, a strong command.

The spirit of service, guiding our way,
Starts at dawn's first light, with no end to the day.

Delhi Police, our core, our name,
Serving with honour, strength and flame.



*PSI Anuj Dev*
*Batch - 56*

# रिटायर

गीत सुरीले सदा ही बजते
जो लिख गए हैं शायर,
गुणी व्यक्ति कर्म करने से
कभी होते नहीं रिटायर।

जब तक सांसें हैं तन में
जीवन को जीना चाहिए,
काम मिले जो करने को
वो दिल से करना चाहिए।

लीपापोती, लापरवाही
से तो बचना चाहिए,
बुरे काम का बुरा नतीजा
याद ये रखना चाहिए।

बिन बात के झूठे मुकदमें
नहीं करने चाहिएं दायर,
हम हीरो वाले रोल करेंगें
कभी नहीं बनेंगे कायर।

गीत सुरीले सदा ही बजते
जो लिख गए हैं शायर,
गुणी व्यक्ति कर्म करने से
कभी होते नहीं रिटायर।

कभी ना थकती कभी ना रुकती
देखो ये हरियाली,
उम्र का इस पर कोई असर ना
सबसे दिलकश है हरियाली।

वर्षों से ये तरो ताजा है
हमें ऐसे ही रहना चाहिए,
उम्र सिर्फ बस एक नंबर है
जवान सोच से रहना चाहिए।

योग करो और स्वस्थ रहो
खराब दिनचर्या से निकलो बाहिर ,
अच्छी संगत में करनी हैं
बातें दिल की जाहिर।

गीत सुरीले सदा ही बजते
जो लिख गए हैं शायर ,
गुणी व्यक्ति कर्म करने से
कभी होते नहीं रिटायर।



*SI Naresh Kumar Dabas*
*PRO Branch, DPA*

# दिल्ली पुलिस

दिल्ली पुलिस का है प्रथम कर्तव्य,
जनता के प्रति रखना है समर्पण।

दिल्ली पुलिस पढ़ाती पाठ नैतिकता का,
जनता के प्रति रखती भाव विनम्रता का।

दिल्ली पुलिस बहुत है शक्तिशाली,
इसीलिए करती है दिल्ली की रखवाली।

दिल्ली पुलिस करती है जनहित के सारे काम,
बिन भेदभाव हर धर्म, लिंग, जाति के काम।

जनता को न्याय व समानता का पाठ पढ़ाती,
नैतिक मूल्यों का पालन करना है सिखाती।

देश की आन बान शान है दिल्ली पुलिस,
देश के विकास में योगदान भी देती है दिल्ली पुलिस।

दिल्ली पुलिस अपने कर्तव्यों के प्रति है निष्ठावान,
इसीलिए करती है सबका सम्मान।

अपराधों को कम करने के चलाती है अभियान,
अपराधियों का तोड़ती है अभिमान।

दिल्ली पुलिस रखती है जनता को सुरक्षित,
अपने नेक कामों से रखती है सबको हर्षित।

दिल्ली पुलिस करती है बड़े–बड़े काम,
इसीलिए है देश भर में इसका नाम।

दिल से काम करती है दिल्ली पुलिस,
देश की राजधानी की है दिल्ली पुलिस।



*W/R.Ct. Priti Meghwal*
*Batch -124*

# When Duty Meets Art

*Channeling emotions, experiences, and a deep sense of social commitment onto canvas, our personnel use art not only as a personal outlet but also as a bridge to connect with the community, proving that creativity can thrive even in the most disciplined professions.*



*W/PSI Deepika Dahiya*
*Batch-56*









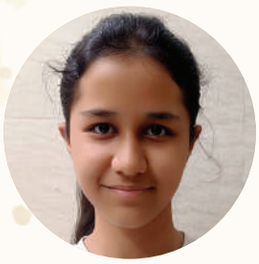

*PSI Rahul Kr. Meena*
*Batch-56*











*Khushi Vats D/o ASI (Min.) Suman, Ch. Roll Br., DPA, JK*











## Meet PSI Rakshit Tiwari: A Talented Flutist in Uniform



Amidst the rigor of the Delhi Police Academy, PSI Rakshit Tiwari from Unnao, Uttar Pradesh, brings a unique harmony with his self-taught flute melodies. For Rakshit, playing flute is a profound practice of self-care and mental well-being, akin to meditation, offering a pause from racing thoughts and promoting peaceful sleep. This passion highlights the importance of holistic health and creative expression in the demanding life of a police officer. His music not only benefits him but also brings calm and joy to the academy, proving that strength and sensitivity beautifully coexist. Rakshit's message resonates: art is essential for introspection and destressing.



*PSI Rakshit Tiwari*
*Batch No. 56*

# Ask the Expert: Dr. Amit Tyagi, CMO, DPA



प्रिय साथियों,

दिल्ली पुलिस के हमारे बहादुर जवानों का काम बेहद चुनौतीपूर्ण होता है, जिसका सीधा असर उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। इन चुनौतियों के बीच, उनके स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देना हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है। इसी कड़ी में, दिल्ली पुलिस अकादमी के न्यूजलेटर में हम एक विशेष "आस्क द एक्सपर्ट" कॉलम शुरू कर रहे हैं, जहाँ हम आपके सभी स्वास्थ्य संबंधी सवालों के जवाब लेकर आएंगे। इस अंक में, संपादकीय टीम ने दिल्ली पुलिस अकादमी के हमारे अपने कैंपस के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) डॉ. अमित त्यागी से बात की है।

संपादकीय टीम: डॉ. साहब, नमस्कार! सबसे पहले तो ये बताइए कि दिल्ली पुलिस के जवानों में सबसे आम बीमारियाँ और सेहत से जुड़ी दिक्कतें कौन सी देखने को मिलती हैं? क्या उनकी ड्यूटी के हिसाब से कोई खास पैटर्न होता है?

डॉक्टर साहब: नमस्कार! ये बहुत अच्छा सवाल है। मैं पिछले लगभग 22 साल से दिल्ली पुलिस के साथ कार्यरत हूं और इस दौरान मैने इस विषय पर शोध भी किया है, जिसके अनुसार हमारे पुलिसकर्मी कई तरह की सेहत से जुड़ी चुनौतियों का सामना करते हैं, जो सीधे तौर पर उनकी ड्यूटी की वजह से होती हैं।

- कमर और जोड़ों का दर्द: सबसे पहले आती हैं हड्डियों और मांसपेशियों से जुड़ी दिक्कतें (musculoskeletal problems)। लंबे समय तक खड़े रहना, लंबे समय तक हथियार उठा कर रखना और अक्सर थका देने वाले शारीरिक काम की वजह से कमर दर्द, घुटनों का दर्द और दूसरे जोड़ों की परेशानियाँ बहुत आम हैं।
- तनाव और नींद की कमी: इसके बाद आती हैं तनाव से जुड़ी समस्याएं। ड्यूटी के तय समय का न होना, लगातार दबाव वाली हालातें, कई-कई दिन तक घर न जा पाना और कभी-कभी दिल दहला देने वाली घटनाओं का सामना करना, इन सबकी वजह से उच्च रक्तचाप (high blood pressure), चिंता, नींद न आने की समस्या (insomnia) और लगातार थकान (chronic fatigue) जैसी दिक्कतें बहुत ज़्यादा देखी जाती हैं। ये उनकी मानसिक सेहत पर भी बुरा असर डालती हैं।
- खान-पान से जुड़ी बीमारियाँ: खाने-पीने का समय तय न होना और भागदौड़ में कभी भी कुछ भी खा लेने की आदत से मोटापा और मधुमेह (diabetes) जैसी बीमारियाँ बहुत बढ़ रही हैं।
- पेट की समस्याएँ: तनाव और अनियमित खान-पान की वजह से अक्सर एसिडिटी और पेट में जलन जैसी पेट से जुड़ी दिक्कतें भी आम हैं।
- त्वचा और साँस की दिक्कतें: दिल्ली के प्रदूषण और मौसम के लगातार बदलते रहने की वजह से त्वचा में जलन और साँस लेने की दिक्कतें भी अक्सर देखने को मिलती हैं।

संपादकीय टीम: ये तो वाकई गंभीर चुनौतियाँ हैं, डॉ. साहब। तो हमारे जवान अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कौन से ऐसे छोटे, पर असरदार तरीके अपना सकते हैं, जिससे इन आम बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाए? कुछ आसान उपाय बताइए।

डॉक्टर साहब: बिल्कुल! कोई बहुत बड़ी चीज करने की जरूरत नहीं है, छोटे-छोटे बदलाव भी बहुत फर्क ला सकते हैं:

- थोड़ा-थोड़ा व्यायाम, रोजाना कीजिए: सबसे पहले है रोजाना, हल्का-फुल्का व्यायाम। इसका मतलब जिम जाकर घंटों पसीना बहाना नहीं है। आप पूरे दिन में छोटे-छोटे ब्रेक में भी व्यायाम कर सकते हैं।

जैसे, ड्यूटी के दौरान 15–20 मिनट तेज चलना, लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करना, या कुछ हल्की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करना। ये सब आपको स्वस्थ रखेगा।



- तनाव को कम करें : तनाव कम करने के तरीके सीखें। गहरी साँस लेने की एक्सरसाइज, 5–10 मिनट का छोटा ध्यान लगाना, या अपनी पसंद का कोई गाना सुनना, ये सब तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये कहीं भी और कभी भी किए जा सकते हैं।
- वजन पर नजर रखें: संतुलित खाना खाकर अपने वजन को सही बनाए रखना बहुत जरूरी है। ये कई बीमारियों की जड़ को ही खत्म कर देता है।
- अच्छी नींद स्वास्थ्य के लिए जरूरी है: मैं जानता हूँ कि ड्यूटी की वजह से नींद अक्सर खराब होती है, पर जब भी मौका मिले, पूरी नींद लेने की कोशिश करें। कोशिश करें कि 7–8 घंटे की अच्छी नींद मिल सके। नींद की कमी शरीर को कमजोर करती है।
- डॉक्टर से दूरी नहीं, दोस्ती बनाएं: किसी भी परेशानी को नजरअंदाज न करें। समय-समय पर स्वास्थ्य जाँच (health check-up) करवाएँ और जैसे ही कोई दिक्कत महसूस हो, तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। "जब जागो तभी सवेरा" की बजाय "पहले से ही सावधान रहें" की नीति अपनाएँ।

खान–पान और पोषण: फिट रहने का राज!

संपादकीय टीम: डॉ. साहब, हमारे जवानों को बहुत ज़्यादा ऊर्जा की जरूरत होती है। उनकी मुश्किल ड्यूटी को देखते हुए, एक आदर्श रोजाना का खाना कैसा होना चाहिए?

डॉक्टर साहब: ये एक ऐसा विषय है जहाँ हमारे जवान सबसे ज़्यादा ध्यान दे सकते हैं। काम के लिए लगातार ऊर्जा की जरूरत होती है।

संतुलित खाने का मंत्र:

- आटे/अनाज से मिलने वाली ऊर्जा (complex carbohydrate): लगातार ऊर्जा के लिए बाजरा, ज्वार, मक्का, दलिया और मल्टीग्रेन रोटी को अहमियत दें। ये धीरे–धीरे ऊर्जा देते हैं और पेट को देर तक भरा रखते हैं।
- लीन प्रोटीन: मांसपेशियों को ठीक करने और मजबूत रखने के लिए छाछ, दही, दालें (मूंग, मसूर, अरहर), चना, राजमा, अंडे, और पनीर (जो मांसाहारी हैं, वे चिकन ले सकते हैं) को अपने खाने में शामिल करें।
- अच्छी वसा (हेल्दी फैट्स): खाना बनाने के लिए सरसों का तेल इस्तेमाल करें और थोड़ी मात्रा में घी भी ले सकते हैं। मेवे और बीज भी अच्छी वसा से भरपूर होते हैं।
- ढेर सारे फल और सब्जियाँ: अपनी थाली को रंग-बिरंगा बनाइए! पालक, मेथी, गाजर, मूली, टिंडा, तोरी जैसी मौसमी और स्थानीय सब्जियों और फलों को खूब खाएँ। इनमें विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर होते हैं जो आपको बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।



- ढेर सारा पानी पिएं : पूरे दिन खूब पानी पिएं। पानी की कमी से थकान और काम करने की क्षमता कम होती है। एक स्वस्थ व्यक्ति को दिन में कम से कम 3 लीटर पानी जरूर पीना चाहिए।

कुछ स्वादिष्ट और देसी खाने के आइडिया:

- नाश्ता: बाजरे/ज्वार की रोटी या दलिया के साथ दही/छाछ, या अंडे और मल्टीग्रेन टोस्ट। आप सब्जियों वाला पोहा या उपमा भी ले सकते हैं।
- दोपहर का खाना: अपनी पसंदीदा दाल (मूंग, मसूर, अरहर) के साथ कोई भी मौसमी हरी सब्जी, मल्टीग्रेन या बाजरे की रोटी, और हाँ, ढेर सारा सलाद (खीरा, टमाटर, मूली) लेना न भूलें।
- रात का खाना: रात को हल्का खाना बेहतर है। दाल–चावल (कम चावल), पनीर या सोया की सब्जी के साथ रोटी, या कोई गरमा गरम सब्जियों का सूप बढ़िया ऑप्शन है।
- स्नैक्स (छोटी भूख के लिए): जब हल्की भूख लगे, तो फल (सेब, केला, अमरूद), भुने चने, मूंगफली, बादाम, दही या छाछ ले सकते हैं। ये आपको अनहेल्दी स्नैक्स से बचाएंगे।

*To be continued.....*

# Quiz on New Criminal Laws

**From our training sessions to the online courses on iGot Karmayogi app, we've covered the new criminal laws. Let's put that knowledge to the test! Take this brief quiz to assess your familiarity with these important changes.**

**1 Which of the following statements is true regarding the offence of mischief under sec. 324 of BNS.**

(a) Mischief requires the intent to harm the owner of property

(b) Mischief includes acts that destroy or diminish the value or utility of property

(c) Mischief can be committed only against another person's property, not one's own.

(d) A person cannot be guilty of mischief if the property damaged belongs to him.

**2 Which is/ are of the following is not correctly match regarding the BNS-2023.**

(a) Extortion-302

(b) Criminal Breach of trust-316

(c) Receiving of Stolen Property-317

(d) Defamation-356

**3 Sec. 152 of the BNS-2023 replaces which controversial law?**

(a) Blasphemy Law (b)Defamation Law

(c) Cyber Crime Law (d) Sedition Law

**4 According to Sec. 18 of BNS, which of the following scenario is not considered an offence?**

(a) Acting with criminal intent while performing a lawful act.

(b) Accidently causing harm while performing a lawful act with proper care.

(c) Deliberating causing harm with the intent to prevent a greater harm

(d) Misinterpreting a legal order and causing harm unintentionally.

**5 Under BNS-2023, what is the penalty for a member of an unlawful assembly who is armed with deadly weapon according to Sec. 189 (4) ?**

(a) Imprisonment of up to six months.

(b) Imprisonment of up to one year.

(c) Imprisonment of up to two years or with fine or both.

(d) Fine only.

**6 According to BNS-2023, what is the intent required for the crime described in Sec. 140 (3)?**

(a) To compel the government to act.

(b) To cause death.

(c) To cause wrongful confinement.

(d) To demand ransom.

**7 What is the time limit for the District Magistrate to distribute the proceeds after receiving the court order in Sec. 107 of BNSS?**

(a) 60 Days (b) 45 Days

(c) 30 Days (d) No time limit is specified

**8 According to the BNS-2023, how should "month" and "year" be reckoned in Sec. 2 (20)?**

(a) Islamic Calendar (b) Lunar Calendar

(c) Any Calendar (d) Gregorian Calendar

**9 Under BNSS, what is the power of the Assistant Sessions Judge regarding sentencing?**

(a) Can pass a sentence of death.

(b) Can impose fines up to Rs. 10,000/-

(c) The power to pass sentences has been omitted

(d) Can impose sentences of life imprisonment

**10 What is the new maximum punishment for cases involving multiple offences under BNSS?**

(a) 14 Years (b) 20 Years

(c) 10 Years (d) Life imprisonment

**11 How is "Community Service" defined under BNSS?**

(a) Teaching in educational institutions.
(b) Voluntary work with compensation.
(c) Participation in social welfare programs.
(d) Unpaid work performed for the community as punishment.

**12 What provisions does section 2 (2) of BNSS make regarding words not defined in the legislation?**

(a) They will have the meaning defined in the IPC.
(b) They will have the meaning defined in the BNS .
(c) They will be interpreted by the Supreme Court.
(d) They will follow the definition provided by State Government.

**13 What is the maximum permissible police custody period under BNSS when an accused is arrested in case punishable with death, life imprisonment, or imprisonment not less than 10 years?**

(a) 7 days (b) 30 days (c) 15 days (d) 20 days

**14 Which of the following is true regarding the concept of "Metropolitan Area" and "Metropolitan Magistrate" in the BNSS?**

(a) Retained with modification
(b) Completely abolished
(c) Expanded to include rural areas
(d) Replaced by Special Executive Magistrate

**15 According to BNSS "Sub Division" refers to:-**

(a) A Sub-Division of a district
(b) A Division of a city
(c) A Division of a city into sections
(d) A Sub- Division of a State is area into different Category of Districts

**16 BSA -2023 does not apply to:-**

(a) Judicial proceedings in any court.
(b) Court Martial
(c) Proceeding in criminal cases
(d) Affidavits presented to a court or officer.



*SI Krishan Kumar*
*Indoor Faculty / DPA, JK, East Campus*

**17 Which of the following is considered "oral Evidence" under the BSA-2023:-**

(a) A Video recording of a Crime Scene.
(b) A written affidavit presented in Court
(c) A witness's Statement made electronically before the court
(d) A voice mail message stored on a Smartphone.

**18 The fact sought to be proved is called ---------- as per BSA.**

(a) Factum Probans
(b) Factum Probandum
(c) Relevant Facts
(d) Lex Loci

**19 Which section of Indian Evidence Act, 1872 corresponds to the opinion or a person acquainted with hand writing in BSA?**

(a) Sec. 41 (b) Sec. 39 (c) Sec. 47 (d) Sec. 45

**20 Evidence given by a witness is relevant under sec. 27 of BSA only if:-**

(a) Given on Oath
(b) Given before Court
(c) Proceedings are between some parties
(d) All of above.

**Submit your answers to probranchdpa@gmail.com. The first ten with the most correct answers will be announced as winners in the next edition, which will also include the answer key. Good luck!**

**Answers to the Previous Edition's Quiz:**

Here are the answers to the quiz published in our last edition of "Kadamtaal". We hope you enjoyed testing your knowledge!

1. B 2. C 3. C 4. B 5. A 6. A 7. B 8. B 9. A 10. B 11. D 12. D 13. A 14. A 15. A

# DPA IN NEWS

Pioneer

## 1,308 constables graduate from Delhi Police Academy

PIONEER NEWS SERVICE ■ New Delhi

To add to the Delhi Police force, more than a thousand newly recruited male constables, who are trained in new criminal laws, cybercrime counter-measures, unarmed combat techniques and commando tactics, have passed out from the Delhi Police Academy, an official statement said on Monday.

The total strength of constables to be recruited in Batch No 124 is 4,088. Among these, 3,308 have taken oath so far and the remaining 2,780 constables will take their oath and participate in the passing out parade at Delhi Police Academy in Jharoda Kalan, on Tuesday, at 7 am. Special Commissioner of Police, HRD Nishat Hasnain will take the salute, the Delhi Police said in a statement.

The recruits have also been equipped with disaster management skills in coordination with the National Disaster Response Force (NDRF), in addition to being trained in modern policing tools, community engagement and soft skills, the Delhi Police said. The training curriculum included an academic foundation with modules on constitutional law, criminology, investigative procedures, forensic science and special focus on the newly enacted criminal laws.

"Cybercrime awareness, including digital forensics and online threat mitigation, urban intervention techniques. "The constables also underwent training in handling explosives and IEDs (improvised explosive devices) as part of their commando course," Special Commissioner of Police (Public Transport Safety Division) Rohit Hitkari said in a statement. The officer further said a comprehensive passing out parade was conducted to mark their transition into the field force, with 14 contingents participating. Contingent No 14 was adjudged the best marching

## 12 महिलाओं सहित 29 हेड कांस्टेबल ने ली पुलिस एकेडमी ग्राउंड में शपथ



नवनियुक्त हेड कांस्टेबल को अब विभिन्न जिलों, इकाइयों में तैनाती के लिए भेजा जाएगा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली पुलिस के बैच संख्या-70 के 12 महिलाओं सहित 29 हेड कांस्टेबलों (मंडलीय) ने प्रशिक्षण पूरा होने के पश्चात को दिल्ली पुलिस लाइंस, ओटो कार्ल में शपथ ली। इन नवनियुक्त हेड कांस्टेबल को अब दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिलों, इकाइयों में तैनाती के लिए भेजा जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि उप निदेशक (प्रशिक्षण) विपिन सहरावत (आईपीएस) निदेशक (आउटरीच) विक्रमजीत ने इन सभी हेड कांस्टेबलों को शपथ दिलाई।

पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक चुने गए ये इन पुलिसकर्मियों को वेरा-संबंधी कार्यों और अन्य प्रशासनिक कार्यों के संचालन, विभिन्न शाखाओं, नए और पुराने किए गए ई-ऑफिस के विभिन्न कार्यों को संचालन के लिए जिम्मेदारी दी जाएगी।

इन्हें अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने के लिए कम्प्यूटर संचालन और अन्य प्रासंगिक कौशल में कई पैमाने पर प्रशिक्षित किया गया है। अपने मूल जिम्मेदारियों के अलावा इन्हें इन्फिरमेशन फ्रेक्नोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी, पैरेड और घोड़ा अभ्यास का भी प्रशिक्षण दिया गया है।

TIMES OF INDIA

## The force awakens: Daughters of the soil wear the badge at Delhi Police Academy

FROM CAMPUS TO UNIFORM DUTY




Punjab kesari

## कमांडो, साइबर अपराध में प्रशिक्षित 1,308 रंगरूट दिल्ली पुलिस अकादमी से हुए 'पास आउट'



Rashtriya Sahara

## दिल्ली पुलिस अकादमी से 'पास आउट' हुए साइबर अपराध में प्रशिक्षित 1308 रंगरूट



## Delhi Police Academy PSI Trainees Take a Stand Against Drug Abuse



Pradeep Mishra
info@impressivetimes.com



**NEW DELHI:** On the occasion of International Day Against Drug Abuse and Illicit Trafficking, PSI trainees from Delhi Police Academy showcased their commitment to the cause by performing a powerful Nukkad Natak. The female trainees enthusiastically prepared a script and practiced within just one day, demonstrating their dedication to spreading awareness about the dangers of drug abuse.Sh. Muhammad Ali, IPS, Deputy Director, praised the trainees for their impressive demonstration in front of him, along with ACsP and Faculty Members. The trainees' hard work and teamwork were evident in their impactful performance.In the evening, the trainees took their show to nearby villages, effectively spreading awareness about the risks of drug abuse and illicit trafficking. The villagers, especially the women residents, appreciated the effort and requested that such activities be continued to raise awareness among the younger generation. The Delhi Police Academy's initiative highlights its commitment to empowering trainees to address social issues and promote community awareness. The PSI trainees' efforts are a testament to the academy's focus on developing well-rounded and socially responsible law enforcement professionals.

Dainik Jagran

## 1,308 नव नियुक्त कांस्टेबल का प्रशिक्षण पूरा



हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

## अपनी दिल्ली

दिल्ली घूमने के लिए युवती ने पुलिस में नियुक्ति का फर्जी पत्र बनाया

LOKSATYA

## दिल्ली पुलिस के बेड़े में शामिल हुई 1240 महिलाएं



2781 रिक्रूट कांस्टेबलों ने दिलाई शपथ

## दिल्ली पुलिस में शामिल हुए 29 हेड कांस्टेबल



प्रशिक्षण के उपरांत समारोह में कर्तव्य पालन का शपथ लेते हेड कांस्टेबल ● सौ. पुलिस

जनसत्ता संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : प्रहारी कार्य सिखा दिल्ली पुलिस अकादमी के परेड ग्राउंड में शुक्रवार को 70वें बैच के 29 हेड कांस्टेबल (मिनिस्टीरियल), जिनमें 12 महिलाएं शामिल हैं, ने अपना प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। प्रशिक्षण पूरा होने के उपरांत अब ये हेड कांस्टेबल दिल्ली पुलिस के विभिन्न जिलों और इकाइयों में अपनी सेवाएं देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। नवनियुक्त हेड कांस्टेबल (मिनिस्टीरियल) अब दिल्ली पुलिस के विभिन्न जिलों और इकाइयों में प्रशासनिक कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने और संगठन को अतिरिक्त ताकत प्रदान करेंगे। पुलिसकर्मियों को प्राथमिक जिम्मेदारी ई-ऑफिस के क्रमिकरण कार्यों, पैरेड संबंधी कार्यों और अन्य प्रशासनिक दायित्वों को संचालना है। इन्हें कार्यों को निपटने के लिए कंप्यूटर संचालन और अन्य प्रासंगिक कौशलों में प्रशिक्षण दिया गया है।

Navbharat Times

## 42 PG, 19 बीएड, 6 बीटेक और 2 LLB बने सिपाही



● NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस कांस्टेबल के लिए क्वालिफिकेशन वाले 12वीं पास ही, लेकिन नोमेक्स को शामिल 1508 जितेंद्रियों में 42 पैरा-ट्रेजुएट और 738 ग्रेजुएट हैं। पुलिस अफसरों ने बताया कि सभी को नए आपराधिक कानूनों, साइबर क्राइम से निपटने, फील्ड ट्रेनिंग की पूरी ये ट्रेनिंग दी गई है। सोशल स्किल्स और कम्युनिटी पुलिसिंग का भी। आपराधिक कानूनों में ग्रेजुएट पैरा-ट्रेजुएट को ट्रेनिंग के दौरान ही ड्यूटी दी गई। पुलिस अफसरों ने बताया कि पैरेड ग्रेजुएट रिक्रूट कांस्टेबल ने एक एसआरई, यहां एसआरई, 35 एसआई और 10 एसीपी हैं। ट्रेनिंग में 6 मॉड्यूल, 2

ASIAN AGE

## 2,780 COPS PASS OUT FROM DELHI POLICE ACADEMY

New Delhi: A fresh batch of 2,780 constables, including 1,240 women, passed out from the Delhi police academy on Tuesday, an official said. Among the recruits are 136 postgraduates, including 71 MSc, eight MBA and 24 M.Com holders. As many as 24 recruits have BTech degrees in engineering (B.E), and 157 are B.Ed qualified, keeping a rich academic diversity into the force. The constables underwent rigorous training in constitutional studies, criminal law, criminology, forensic science, and cybercrime. They also received hands-on training in special sessions on cyberthreat awareness, a senior police officer said. The recruits also received special instruction on countering cyber crimes, disaster management and explosive ordnance disposal. The training curriculum, which is 80 per cent of their regimen, with emphasis on essential components like law, self-defence, commando tactics and urban intervention techniques. All the recruits were trained in essential IT systems such as

THE STATESMAN

## Police Academy observes International Day of Yoga

STATESMAN NEWS SERVICE
NEW DELHI, 21 JUNE

The Delhi Police Academy marked International Yoga Day 2025 with great fervour, organising collective yoga sessions across its four campuses on Saturday. The event witnessed a remarkable turnout of over 2,500 participants, underscoring the growing significance of yoga in lawenforcement training and lifestyle.

The celebrations commenced early in the morning with synchronised yoga sessions held simultaneously at the academy's campuses in Dwarka, Wazirabad, Jharoda Kalan, and Abhanpura.

The initiative aimed to highlight yoga's vital role in promoting both physical fitness and mental resilience—traits essential for police personnel.

Atthe Dwarka campus, Asif Mohammad Ali, IPS, Joint Director, led by example, participating in a yoga session alongside 600 trainees and trainers. At the Wazirabad campus, Mohammad Ali, IPS, Deputy Director, joined 900 trainees and trainers in the session, emphasising the academy's commitment to holistic health. At the Jharoda Kalan campus, Assistant Directors Anil Kumar and Richpal took part in a yoga session with approximately 1,000 trainees and trainers, further reinforcing the academy's focus on wellness.

HINDUSTAN TIMES

## Biz, science, comm postgraduates part of 2025 police constable batch

Jignasa Sinha
letters@hindustantimes.com

**NEW DELHI:** As 2,780 new constables, including 1,240 women, passed out from the Delhi Police Academy in Jharoda Kalan Tuesday, official data showed nearly 300 of them hold postgraduate degrees — a remarkable statistic for a post that requires only a BA qualification.

24 with MCom degrees, and eight with MBAs. The recruits also include 24 engineers and three law graduates, highlighting the diverse academic background of the new force.

The constables underwent extensive training in constitutional studies, criminal law, criminology, forensic science, and cybercrime. They also received hands-on training in and disaster management.

A Delhi Police spokesperson said the curriculum was designed to prepare constables for modern policing challenges.

Special sessions were also held to enhance soft skills and sensitivity, besides a workshop on psychological resilience, stress, and anger management.

On Tuesday, Special Commissioner of Police (HRD Division)


Patron: Sh. Asif Mohammad Ali, IPS, Jt. Director, DPA
Editor: Sh. Mohammad Ali, IPS, Dy. Director -I, DPA
Members: PRO Branch, DPA



probranchdpa@gmail.com
@dpa_delhipolice
DPAdelhipolice
011-20895053